Baglamukhi Mantra Utkilan Vidhaan

बगला-मन्त्र-उत्कीलन-विधान

Sumit Girdharwal
9410030994, 9540674788
sumitgirdharwal@yahoo.com
www.baglamukhi.info

मन्त्रों का दुरुपयोग रोकने के लिए कलियुग के प्रारम्भ में भगवान शिव ने सभी मन्त्रों का कीलन (शापित) कर दिया था। तब माँ पार्वती के अनुग्रह करने पर उन्होंने मन्त्रों को उत्कीलित करने का विधान भी प्रस्तुत किया ताकि सत्पात्र एवं अधिकारी साधक भी मन्त्र की सिद्धि प्राप्त कर सकें। यही मन्त्रोत्कीलन-विधान मन्त्र-उपासना के अंग के रूप में उत्कीलक कहे जाते हैं। इसलिए साधक को कवच आदि का पाठ करने से पूर्व उत्कीलन करना चाहिए।

बगला-मन्त्र-उत्कीलन-विधान

विनियोग– 'ॐ अस्य श्रीबगलामुखी' उत्कीलनमन्त्रस्य सदाशिव ऋषिः तस्मै नमः शिरसि; जगत्सृष्टिसाधनीभूतबृहद्गायत्रीछन्दसे नमो मुखे, श्रीब्रह्मास्त्रोत्कीलनायै क्लीं ब्लूं ग्लौं ह्लीं ग्लौं ब्लूं क्लीं सं सं सं सूच्यग्रेणोत्कीलनसूचीमुख्यै देवतायै नमो हृदये, ॐ ऐं क्लीं ह्लीं ह्लीं ऐं अं बीजाय नमो गुह्ये, ॐ ह्लीं अं आं इं ईं उं ऊं ऋं ॠं लृं ॡं एं ऐं ओं औं अं अः (तीन बार कहकर मूल मन्त्र का उच्चारण करें) **ॐ ऐं ह्लीं ह्लीं ह्लीं ऐं ओं ब्लीं सं सं सं रुद्रसूच्यग्रेण ब्रह्मग्रन्थीमुत्कीलय 'ॐ' अं 'ह्लीं' आं इं 'ब' ईं 'ग' ऊं 'ला' ऊं 'मु' ऋं 'खि' ॠं 'स' लृं 'र्व' ॡं 'दु' ए 'ष्टा' ऐं 'नां' ओं 'वा' औं 'चं' अं 'मु' अं 'खं' अः 'प' अं 'दं' औं 'स्त' ओं 'म्भ' ऐं 'य' एं 'जि' लृं 'ह्वां' लृं 'की' ॠं 'ल' ऋं 'य' ऊं 'बु' उं 'द्धिं' ईं 'वि' इं 'ना' आं 'श' अं 'य' ह्लीं ॐ क्षं ॐ स्वाहा।**

'ॐ ऐं क्लीं क्लीं ह्लीं क्लीं ऐं ओं ब्लीं सं सं सं रुद्रसूच्यग्रेण ब्रह्मग्रन्थिं उत्कीलय उत्कीलय, ॐ ब्लूं ह्लौं ह्लं ह्लीं ह्लां ॐ इति कीलकाय नमो नाभौ हस्तं दत्वा उच्चरेत्। ॐ ह्लीं ह्लीं ह्लसौं ॐ बगलामुखी महामन्त्रे उत्कीलनार्थे जपे विनियोगाय नमः सर्वांगे, इति सर्वांगे व्यापकं कृत्वा शिरसि प्रणमेत्'।

अथ करादिन्यास : ॐ इं लं हंसः ह्रां सोऽहं लं ईं ॐ उत्कीलिन्यै नमः अंगुष्ठाभ्यां नमः, ॐ इं लं हंसः ह्रीं सोऽहं लं ईं ॐ महोत्कीलिन्यै नमः तर्जनीभ्यां नमः, ॐ इं लं हंसः ह्रूं सोऽहं लं ईं ॐ रुद्रसूच्या उत्कीलिन्यै नमः मध्यमाभ्यां नमः, ॐ इं लं हंसः ह्रैं सोऽहं लं ईं ॐ ब्रह्मग्रन्थिउत्कीलिन्यै नमः अनामिकाभ्यां नमः, ॐ इं लं हंसः ह्रौं सोऽहं लं ईं ॐ योगिन्यै उत्कीलिन्यै नमः कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ इं लं हंसः ह्रः सोऽहं लं ईं ॐ सर्वोत्कीलिन्यै नमः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः।

हृदयादिन्यास : करादिन्यास के समान करें।

ध्यान

'रुद्रसूचीमुखीं ध्याये सर्वाभरणभूषिताम्।
वरदाऽभयसूच्यग्रनखदंष्ट्राभयानकाम् ॥
चतुर्भुजां त्रिनयनां वरदाऽभयकुण्डिकाम्।
शूलाग्रान् खरतीक्ष्णग्रान् कुर्वतीं ग्रथिताक्षरान्॥
वर्णमालाविभूषांगी सर्ववर्णात्मिकां शिवाम्।
प्रोद्यश्वतां मनून् सर्वान् नानावर्णविजृम्भितान्॥
विविच्य वरदे मन्त्रान् मालायां कुसुमानिव।
प्रवेशय मनुं देहि प्रकटीकुरु सर्वदा॥
अभयं टंकवरदं पाशं पुस्तकमंकुशम्।
शूलं सूच्यग्रमादाय देहि मे, प्रणमामि त्वाम्॥
इति ध्यात्वा जगद्धात्रीं जगदानन्दरूपिणीम्।
ग्रन्थित्रयविशेषज्ञं शिव ध्यात्वा जपेन्मनुम्॥

श्रीबगला कीलक-स्तोत्र

ह्रीं ह्रीं ह्रींकार-बाणे! रिपुदल-दलने घोरगम्भीरनादे
ह्रीं ह्रीं ह्रींकाररूपे! मुनिगणनमिते सिद्धिदे शुभ्रदेहे।
भ्रों भ्रों भ्रोंकारनादे! निखिलरिपुघटात्रोटने लग्नचित्ते
मातर्मातर्नमस्ते सकलभयहरे! नौमि पीताम्बरे! त्वाम्॥१॥
क्रौं क्रौं क्रौंमीशरूपे! अरिकुलहनने देहकीले कपाले!
हस्त्रौं हस्त्रौंस्वरूपे समरसनिरते दिव्यरूपे स्वरूपे!

ज्रौं ज्रौं ज्रौं जातरूपे जहि जहि दुरितं जम्भरूपे प्रभावे!
कालि कंकालरूपे अरिजनदलने देहि सिद्धिं परां मे॥२॥
हस्त्रां हस्त्रीं च हस्त्रैं त्रिभुवनविदिते चण्ड-मार्तण्ड-चण्डे!
ऐं क्लीं सौं कौलविद्ये सततशमपरे नौमि पीतस्वरूपे!
द्रौं द्रौं द्रौं दुष्टचित्ताऽऽदलनपरिणत बाहुयुग्मत्वदीये!
ब्रह्मास्त्रे ब्रह्मरूपे रिपुदलहनने ख्यातदिव्यप्रभावे!॥३॥
ठं ठं ठंकारवेशे ज्वलनप्रतिकृति ज्वालमालास्वरूपे!
धां धां धां धारयन्तीं रिपुकुलरसनां मुद्गरं वज्रपाशम्।
डां डां डां डाकिन्याद्यैर्डिमकडिमडिमं डमरूकं वादयन्तीम्
मातर्मातर्नमस्ते प्रबलखलजनं पीडयन्तीं भजामि॥४॥
वाणीसिद्धिकरे सभा-विशदमध्ये वेदशास्त्रार्थदे!
मातः श्रीबगले परात्परतरे! वादे-विवादे जयम्।
देहि त्वं शरणागतोऽस्मि विमले देवि प्रचण्डोद्धृते!
मांगल्यं वसुधासु देहि सततं सर्वस्वरूपे शिवे!॥५॥
निखिलमुनिनिषेव्यं स्तम्भनं सर्वशत्रोः
शमपरमिह नित्यं ज्ञानिनां हार्दरूपम्।
अहरहर्निशायां यः पठेद् देवि! कीलं
स भवति परमेशि! वादिनामग्रगण्यः॥६॥

© Sumit Girdharwal & Sri Yogeshwaranand Ji
sumitgirdharwal@yahoo.com, www.baglamukhi.info
9410030994, 9540674788

OUR BOOKS

Baglamukhi Sadhana Aur Siddhi Rs – 350/=

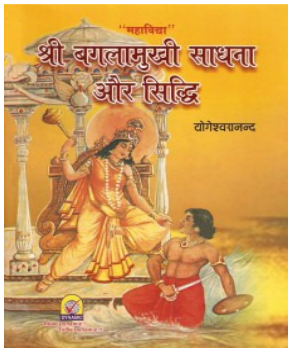

Mantra Sadhana Rs – 280/=

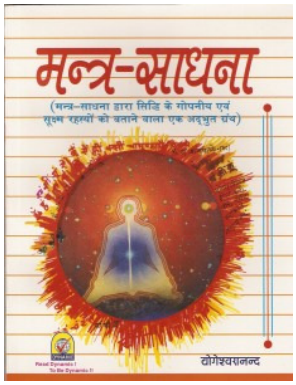

Shodashi Mahavidya (Tripurasundari Sadhana Sri Yantra Pooja) - Rs 370/=

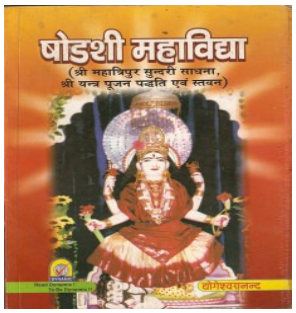

Sumit Girdharwal Ji & Sri Yogeshwaranand Ji
+91-9540674788, +91-9917325788 Email : shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.info , www.yogeshwaranand.org

Shatkarma Vidhaan Rs – 380/=

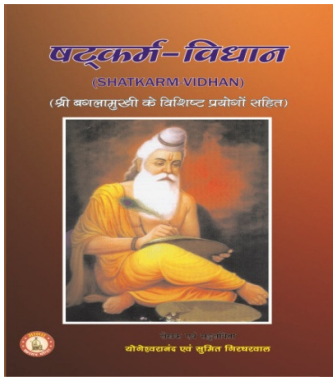

Agama Rahasya Rs – 500/=

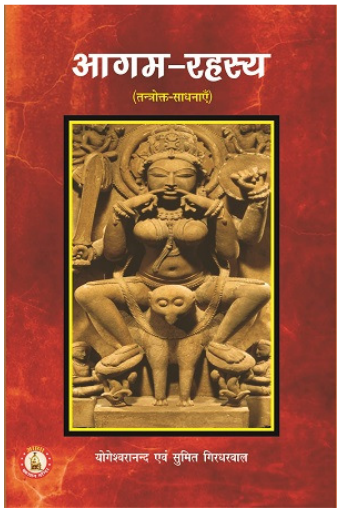

If you want to purchase any of our book then please deposit respective amount in below a/c –

Sumit Girdharwal

Axis Bank

912020029471298 (Current A/C)

IFSC Code – UTIB0001094

And send the receipt to our email sumitgirdharwal@yahoo.com or whatsapp +91-9540674788

Sumit Girdharwal Ji & Sri Yogeshwaranand Ji

+91-9540674788, +91-9917325788 Email : shaktisadhna@yahoo.com

www.baglamukhi.info , www.yogeshwaranand.org